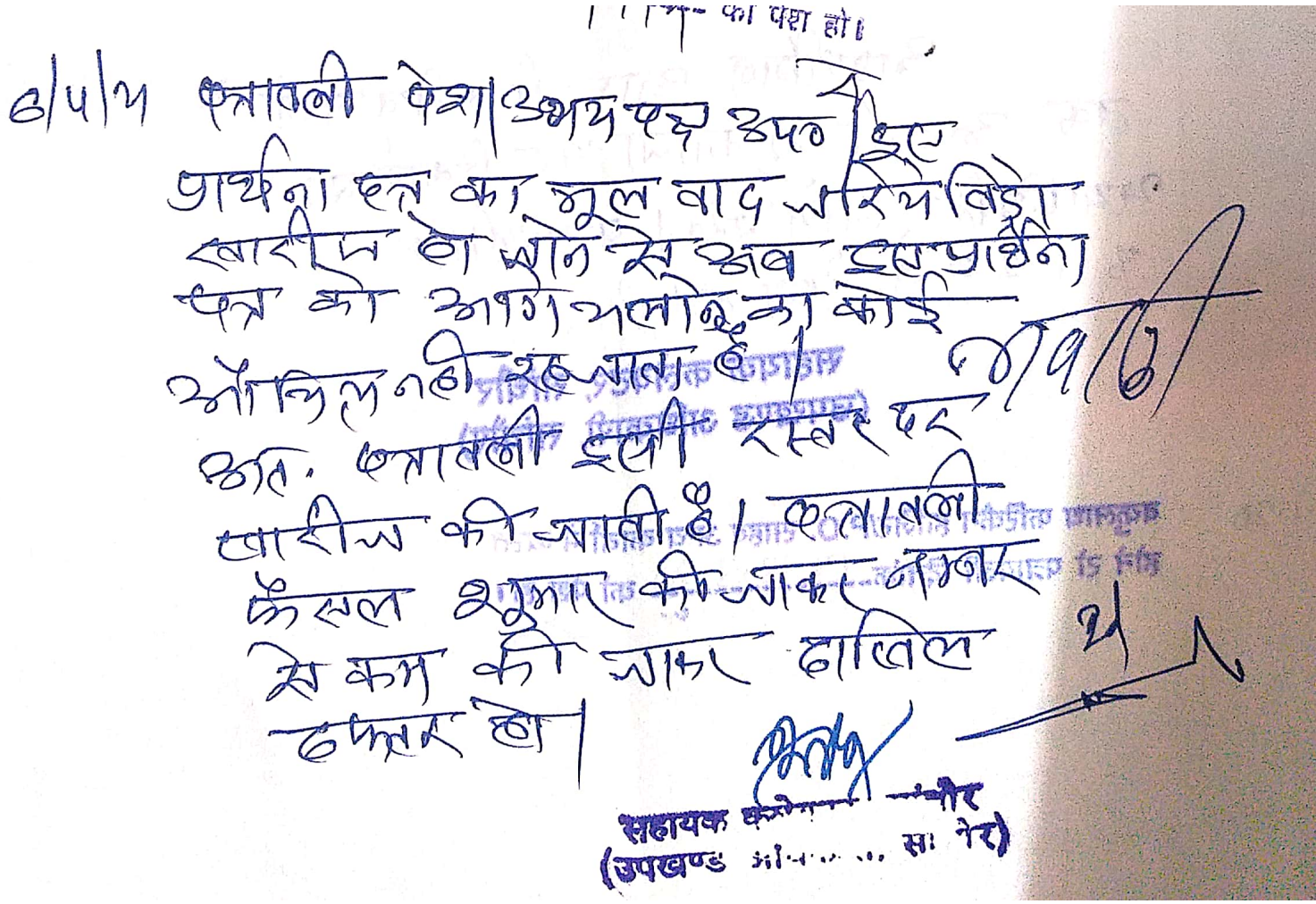

... का पेश हो।

6/5/21 पत्रावली पेश। उभय पक्ष उप० हुए।
प्रार्थना पत्र का मूल वाद [illegible]
खारीज हो जाने से अब इस प्रार्थना
पत्र को आगे चलाने का कोई
औचित्य नहीं रह जाता है।
अतः पत्रावली इसी स्तर पर
खारीज की जाती है। पत्रावली
कैसल शुमार की जाकर नम्बर
से कम की जाकर दाखिल
दफ्तर हो।

सहायक कलेक्टर ...
(उपखण्ड ... ...)

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhupendra Kumar Yadav
Date: 2021.04.06 18:01:46 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner